संवाद

अंक 06 : अप्रैल से जून 2024
त्रमासिक पत्र

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

# अंतराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024

दिनांक 21 जून 2024 को प्रतिवर्ष की भांति योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल परिसर में अंतराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया | उक्त आयोजन में विवेकानंद योग केंद्र कन्याकुमारी की भोपाल शाखा के प्रशिक्षकों को योग अभ्यास हेतु आमंत्रित किया गया था| कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संस्थान के कुलसचिव श्री शाजू वर्गीस जी ने सभी का स्वागत किया|

प्रशिक्षकों द्वारा शिविर में योग अभ्यास कराया गया व योग के लाभ और योग के प्रति जागरूकता हेतु व्याख्यान भी दिया गया। संस्थान में कार्यरत समस्त अधिकारी, कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं ने योग, प्राणायाम आदि का अभ्यास सीखा एवं दैनिक जीवन में योग करने हेतु प्रेरित हुए |

# अर्बन फेलो प्रोग्राम पर सत्र का आयोजन

संस्थान परिसर में दिनांक, 9 अप्रैल 2024 को सायं 4:30 बजे से स्नातक और स्नातकोत्तर स्टार के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए अर्बन फेलो प्रोग्राम पर एक सत्र का आयोजन किया गया, उक्त सर्टिफिकेट प्रोग्राम में विभिन्न अवसरों के विषय पर चर्चा की गई, जो एसपीए, भोपाल के छात्रों के लिए उपयोगी थे। उक्त आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में श्री तन्मय शुक्ला, मीडिया प्रभारी आई.आई. एच. एस. से आमंत्रित थे|

# “कंठस्थ टूल” पर हिन्दी कार्याशाला का आयोजन

संस्थान परिसर में दिनांक 28 जून 2024 को राजभाषा विभाग के सौजन्य से हिन्दी कार्यशाला का आयोजन कंठस्थ टूल की जानकारी देने हेतु किया गया | कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूम में एन. आई. टी.टी.टी. आर., भोपाल से श्री संजय त्रिपाठी जी, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं नराकास सचिव को आमंत्रित किया गया था| कार्यशाला में संस्थान के सभी संकाय सदस्य, अधिकारी गण एवं कर्मचारी गण तथा कुलसचिव महोदय ने भाग लिया| श्री संजय त्रिपाठी ने कार्यशाला में राजभाषा मंत्रालय द्वारा प्रसारित कंठस्थ टूल के उपयोगिता एवं कार्यालयीन कार्यों में अनुवाद की सरलता के बारे में बताया| इसके आलावा उन्होंने अनुवादिनी जैसे साफ्टवेयर के उपयोग के बारे में भी बताया|

# छात्रों ने मनाया गुडी पड़वा महोत्सव

संस्थान परिसर में छात्रों ने दिनांक 9 अप्रैल 2024 महाराष्ट्री पर्व गुड़ी पड़वा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया संस्थान के संकाय सदय एवं कर्मचारियों ने भी पूजा में भाग लिया|

# प्रेस मीडिया

एसपीए का तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव

## भोपाल, दिल्ली व विजयवाड़ा के छात्रों ने दिखाया शिल्प कौशल

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), भोपाल का तीन दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम सिनर्जी-2024 परिसर में आयोजित किया गया। इसके समापन कार्यक्रम का उद्घाटन मिस्टिक 7, भोपाल के संस्थापक और मुख्य रचनात्मक अधिकारी राजीव मिश्रा ने किया। सिनर्जी'24 का विषय 'अंतरिक्ष के रहस्यों के साथ पॉप संस्कृति का सम्मिश्रण' था, जिसका समापन तीनों एसपीए (भोपाल, दिल्ली और विजयवाड़ा) के छात्रों का क्रिकेट से लेकर शतरंज तक विभिन्न आयोजनों में अपने कौशल, रचनात्मकता, शिल्प कौशल, माइम से लेकर मोनोएक्ट, पॉप संगीत से लेकर मिट्टी के बर्तन तक के प्रदर्शन से हुआ। तीनों एसपीए के प्रतिभागियों के बीच तालमेल ने प्रतियोगिताओं में एक अनूठा सौहार्दपूर्ण और स्वस्थ प्रतिद्वंद्विता को बढ़ावा दिया। भाग लेने वाले छात्रों के लिए, सिनर्जी'24 सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं था, यह एक अविस्मरणीय यात्रा थी, जिसने जुनून जगाया, रचनात्मकता को बढ़ावा दिया और संस्थागत सीमाओं से परे जुड़ाव को बढ़ावा दिया। समापन सत्र में अतिथि भावना चौहान ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और छात्राओं द्वारा सभी कार्यक्रमों में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

पत्रिका
Friday, Jun 28 2024
Ad closed by Google
font-inc Zoom In Image View Text View

33 मीटर के दायरे को तय करने से पहले उठने लगे सवाल, कलियासोत नदी या नाला

## छोटी हूं तो क्या मेरा अस्तित्व मिटा दोगे

समस्या के समाधान का सही समय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने कलियासोत नदी के 33 मीटर दायरे के निर्माण को हटाने के निर्देश दिए हैं। इस बीच इसके अस्तित्व पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा है कि 33 मीटर में जो नोटिस दी जा रही है वह गलत [illegible] पहले जांच हो कि कलियासोत [illegible] या नहीं। क्योंकि, इसका कोई स्रोत नहीं है। शर्मा के अनुसार ये बड़ा तालाब के ओवरफ्लो से बनी है। जबकि एक्सपर्ट्स इसे साइंटीफिकली नदी बताते हैं। वे कहते हैं कि इसमें किसी सदावाहिनी नदी से ज्यादा बड़ा जीवनचक्र है। कलियासोत भदभदा से शुरू होकर ये शहर के बीच से गुजरती है। नदी की वजह से ही स्वर्णजयंती पार्क की बायोडायवर्सिटी नजर आती है। बारिश में जब नदी उफान पर होती है तो पानी पार्क में चला जाता है।

कलियासोत से 33 मीटर दायरे में करीब 1100 निर्माण हैं। मेपआइटी ने ड्रोन सर्वे के बाद निगम और जिला प्रशासन ने फिजिकल वैरिफिकेशन कर इन्हें नोटिस दिया है। मास्टर प्लान 2005 में जिक्र है कि नदी से 33 मीटर तक बफर जोन है। और नाले का बफर जोन नौ मीटर है।

नदी की कहानी
पढ़ें अगले अंक में

कलियासोत नदी अतिक्रमण की चपेट में।
ड्रोन फोटो: रजत शर्मा

### नदी को नाला क्यों बनाना चाहते हैं

कलियासोत को नदी को यदि शहर से बारिश का पानी निकालने वाला नाला तय कर दिया जाए तो 33 मीटर के दायरे के बजाय महज नौ मीटर के दायरे में ही कार्रवाई होगी। इससे नदी के 33 मीटर के दायरे में हुए कई बड़े निर्माण कार्य टूटने से [illegible]एंगे।

### कलियासोत की ऐसी स्थिति

- नदी 8-9 माह सूखी रहती है। यहां कोई घाट नहीं है।
- यहां से जलापूर्ति नहीं होती।
- 5 बड़े नालों से नदी में घरेलू वेस्ट डाला जाता है।
- शाहपुरा के पास कोलार रोड से नदी में टीटी नगर, मैनिट, पंचशील नगर, चार इमली, चूनाभट्टी से मिलता है।
- मंडीदीप के पश्चिमी भाग के नाले से नदी में सीवेज मिलता है।
- मंडीदीप के द.-पूर्वी भाग की बस्तियों का सीवेज मिलता है।
- मिसरोद व यहां की आबादी का सीवेज-गंदगी नदी में जाती है।
- मंडीदीप का औद्योगिक क्षेत्र वाला वेस्ट भी नदी में मिलता है।
- कलियासोत नदी भोजपुर के पास बेतवा में मिलती है। 36 किमी में 500 अतिक्रमण हैं।

36 किमी लंबी नदी

### 8000 एकड़ से ज्यादा निजी जमीन

एक्सपर्ट का कहना है कि कलियासोत नदी कलियासोत वनक्षेत्र के जलस्रोतों से बनी है। 36 किमी लंबी नदी के किनारे 8000 एकड़ से ज्यादा निजी जमीन है। इसका बहाव भोजपुर से मिसरोद तक 17 किमी है। भदभदा डेम भी नदी में ही है। बड़ा तालाब ओवरफ्लो होता है तो नदी में पानी बढ़ता है। मिसरोद से मंडीदीप की ओर भोजपुर के पास बेतवा में मिलती है।

### वैज्ञानिक तौर पर नदी

नदी दो तरह की होती है। एक सदावाहिनी जिनमें एक स्टेज पानी का रहता है। दूसरी इंटरमिटेंट रीवर। नदी पोस्ट मानसून, पुल व ड्राय स्टेज में होती है। कलियासोत इंटरमिटेंट रीवर है। बारिश में बहती है, बाद में इनमें पानी के छोटे पूल होते हैं। गर्मियों में सूख जाती है। बायोडायवर्सिटी के लिए यह अहम है।

सौरभ पोपली, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर

### भोपाल की जीवन रेखा

कलियासोत भोपाल की जीवन रेखा है। नदी का उद्गम बांध, पोखर, वन, पहाड़ कहीं से हो सकता है। इसका अपना एक बहाव क्षेत्र है। अन्य नदियों से प्राकृतिक तौर पर चैनेलाइजेशन है। ये मानव निर्मित नहर नहीं है। इसमें जैव विविधता और जीवन चक्र है।

प्रो. विपिन व्यास, बीयू (वाटर बॉडिज व जलचरों पर काम करते हैं।)

कलियासोत किनारे निर्माण पर नोटिस दिए जा रहे हैं, जबकि निगम ने अनुमति दी है। कलियासोत बड़ा तालाब के ओवरफ्लो से बनी है। 33 मीटर दायरा तय करने के पहले तय हो कि ये नदी है कि नहीं। नदी है तो 1200-1500 करोड़ खर्च कर स्टॉप डेम बनाएं और संरक्षण करें।

रामेश्वर शर्मा, विधायक, हुजूर